हिन्दी

(पाठ्यक्रम–अ) संकलित परीक्षा-2

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक– 80**

निर्देश :-

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख ग और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

सी. बी. एस. ई. प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र
हिन्दी पाठ्यक्रम 'अ'
कक्षा - दसवीं

समय 3 घण्टे **पूर्णांक - 80**

खण्ड - 'क'

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5=5

''साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है जिनसे वह इधर-उधर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवन पर्यन्त आनन्द की खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनन्द इस आनन्द से ऊँचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनन्द सुंदर और सत्य से मिलता है, उसी आनन्द को दर्शाना, वही आनन्द उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।''

(i) **साहित्य और जीवन में गहरा संबंध है क्योंकि-**
(क) जीवन का मुख्य आधार साहित्य है
(ख) साहित्य जीवन की मजबूत दीवार है
(ग) साहित्य का आधार जीवन है
(घ) साहित्य का आनन्द जीवन से ऊँचा है

(ii) **मनुष्य किसकी खोज में जीवन भर लगा रहता है-**

(क) परमात्मा की

(ख) आनन्द की

(ग) साहित्य की

(घ) रत्न द्रव्य, भरे-पूरे परिवार, लंबे-चौड़े भवन एवं ऐश्वर्य को पाने की

(iii) साहित्य के आनन्द का आधार-

(क) सुंदर और सत्य को पाने में है

(ख) जीवन में है

(ग) रत्न और ऐश्वर्य में है

(घ) परमात्मा में है

(iv) 'परिमित' का अर्थ है-

(क) सीमित

(ख) दबा हुआ

(ग) विस्तृत

(घ) फँसा हुआ

(v) 'लंबे-चौड़े भवन में' पंक्ति में 'लंबे-चौड़े' व्याकरण की दृष्टि से-

(क) क्रिया-विशेषण है

(ख) संज्ञा है

(ग) क्रिया है

(घ) विशेषण है

प्र02 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। $1 \times 5 = 5$

''सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है तब जिस सुख को वह अनुभव करता है, वह वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देने वाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दु:ख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सबसे उत्पन्न आनन्द ही उत्साह कहलाता है। उदाहरण के लिए दान देने वाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है और वह है धन-त्याग का साहस। यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया दान कहा जाएगा। उत्साह आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी न किसी वस्तु पर ध्यान अवश्य केन्द्रित होता है। वह चाहे कर्म पर, चाहे कर्म के फल पर और चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्हीं के आधार पर कर्म करने में आनन्द मिलता है। कर्म-भावना से उत्पन्न आनन्द का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि उनमें साहस की अधिकता होती है। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद को अनुभव करता है, सच्चा वीर कार्य प्रारम्भ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। आलस्य उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा होगा, उसमें

काम करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता। उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता रहता है। उत्साही व्यक्ति सदा दृढ़निश्चयी होता है।

(i) **उत्साह का प्रमुख लक्षण है-**

(क) जोश

(ख) साहस

(ग) आनन्द

(घ) आनन्द और जोश

(ii) **सच्चे वीर दो होते हैं-**

(क) जो फल पाने के लिए उत्साह दिखाते हैं

(ख) जो कर्म - भावना से उत्साह दिखाते हैं

(ग) जो निष्काम भाव से उत्साह दिखाते हैं

(घ) जो आनन्द विनोद के लिए उत्साह दिखाते हैं

(iii) **उत्साह के मार्ग में सबसे बड़ी रूकावट है-**

(क) दु:ख

(ख) निराशा

(ग) वैराग्य

(घ) आलस्य

(iv) **'सच्चा उत्साह वही होता है <u>जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है</u>- रेखांकित उपवाक्य का प्रकार है-**

(क) प्रधान उपवाक्य

(ख) विशेषण उपवाक्य

(ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य

(घ) संज्ञा उपवाक्य

(v) **'केंद्रित' और 'अधिकता' में क्रमशः प्रत्यय इस प्रकार हैं-**

(क) द्रित, ता

(ख) ईत, आ

(ग) इत, ता

(घ) ईत, ता

प्र03 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5=5

''सच हम नहीं, सच तुम नहीं
सच है महज़ संघर्ष ही
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।

जो लक्ष्य भूल रूका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कही जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, संदेश जीवन का यही।

(i) **काव्यांश के आधार पर सच का अर्थ है-**

(क) सत्य के मार्ग पर चलना

(ख) लक्ष्य को केन्द्र बनाए रखना

(ग) जीवन में निरन्तर संघर्ष करना

(घ) हार न मानना

(ii) **'जो है जहाँ चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे'- पंक्ति में अपने-आप से लड़ने का तात्पर्य-**

(क) खुद से लड़ाई लड़ना

(ख) सबसे छुपकर लड़ना

(ग) अपनों से निरंतर संघर्ष कर आगे बढ़ना

(घ) विपरीत स्थितियों को अनुकूल बनाने के लिए निरन्तर संघर्षरत रहना

(iii) **'काँटे' और 'कलियाँ' प्रतीक हैं-**

(क) मित्र और शत्रु के

(ख) जीवन में मिलने वाले दु:ख-सुख के

(ग) प्रकृति के

(घ) विपरीत स्थितियों के

(iv) **'जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम' में अलंकार-**

(क) अतिश्योक्ति अलंकार

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ग) उपमा अलंकार

(घ) रूपक अलंकार

(v) **काव्यांश में प्रयुक्त शब्द 'अपने-आप' में सर्वनाम का निम्नलिखित में से कौन-सा भेद प्रयुक्त हुआ है-**

(क) पुरूषवाचक सर्वनाम

(ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम

(घ) निजवाचक सर्वनाम

प्र04 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5=5

''मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
बड़े सुशील विनम्र
देखकर मुझको यों बोले-
हम भी कितने खुशकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
आसमान से पानी बरसे, आँधी गरजे,
बिजली कड़के, आगी बरसे
हमको कोई फिक्र नहीं है
एक बड़े की वरद छत्रछाया के नीचे
हम अपने दिन बिता रहे हैं
बड़े सुखी हैं।
****
मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
अंसतुष्ट औ ''रूष्ट
देखकर मुझको यों बोले
हम भी कितने बदकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
वे कैसे ऊपर को उठ सकते हैं
इसी बड़े की छाया ने ही
हमको बौना बना रखा
हम बड़े दुःखी हैं।''

(i) **इस कविता में बरगद प्रतीक है-**

(क) बूढ़े व्यक्ति का

(ख) बड़े - बुजुर्गों का

(ग) पुरानी परम्पराओं का

(घ) रूढ़ियों का

(ii) **'छोटे-छोटे पौधे' प्रतीक हैं-**

(क) छोटे बच्चों का

(ख) नवजात शिशु का

(ग) नई पीढ़ी का

(घ) नई परम्पराओं का

(iii) बड़े सुशील और विनम्र छोटे-छोटे पौधे अपने आपको खुशकिस्मत इसलिए मानते हैं कि-

(क) बरगद की विशाल छत्र-छाया में वे अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं

(ख) उन्हें धूप नहीं लगती

(ग) उन्हें खतरों का सामना नहीं करना पड़ता

(घ) वे वर्षा, आँधी और तूफान का सामना नहीं करना चाहते

(iv) दूसरे अंश में छोटे-छोटे पौधे असंतुष्ट और रूष्ट हैं क्योंकि-

(क) वे बरगद को अपना दुश्मन मानते हैं

(ख) वे बरगद को खतरनाक मानते हैं

(ग) उन्हें बरगद से कोई लगाव नहीं हैं

(घ) वे बरगद की छाया को अपने विकास में बाधा मानते हैं

(v) वे अपने-आप को बदकिस्मत इसलिए मानते हैं क्योंकि

(क) वे अपने छोटे स्वरूप से खुश नहीं हैं

(ख) उन्हें चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिल रहा

(ग) वे आज़ादी चाहते हैं, जो उन्हें मिल नहीं रही

(घ) वे बरगद के आश्रय में रह रहे हैं

खण्ड - 'ख'

प्र05 नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय के स्पष्टीकरण हेतु दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×4=4

(i) सुषमा <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ती है।

(क) विशेषण, निश्चयवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(ख) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(ग) विशेषण, परिमाणवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(घ) विशेषण, संख्यावाचक, आवृत्तिसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(ii) रमा <u>पत्र</u> लिखती है।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एवकचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(iii) मैं <u>धीरे-धीरे</u> चलती हूँ।

(क) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'मैं' विशेष्य

(ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चलती हूँ' विशेष्य

(ग) क्रियाविशेषण, परिमाणवाचक, 'चलती हूँ' विशेष्य

(घ) क्रियाविशेषण, परिमाणवाचक, 'मैं' विशेष्य

(iv) **वाह! कैसे सुंदर फूल हैं।**

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षबोधक

(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक, आश्चर्यबोधक

(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक, व्यंग्यबोधक

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रश्नबोधक

प्र06 (i) **जिस वाक्य में एक मुख्य क्रिया होती है, उसे कहते हैं-** 1×4=4

(क) साधारण वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) जटिल वाक्य

(घ) मिश्रित वाक्य

(ii) **निम्नलिखित में सरल वाक्य पहचान कर लिखिए।**

(क) मैंने एक व्यक्ति को देखा जो बहुत ही दुबला-पतला था।

(ख) वह लड़का गाँव में गया और बीमार हो गया।

(ग) मैंने एक बहुत दुबले-पतले व्यक्ति को देखा।

(घ) गली में शोर हुआ और सब लोग बाहर आ गए

(iii) **जिस वाक्य में मुख्य और गौण दो उपवाक्य होते हैं, उसे क्या कहते हैं-**

(क) साधारण वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) संयुक्त वाक्य

(iv) **निम्नलिखित वाक्यों से बने 'संयुक्त वाक्य' का चयन कीजिए।**

- रास्ते में भीड़-भाड़ थी।
- भीड़-भाड़ के कारण मैंने आने का कायक्रम रद्द कर दिया।

(क) रास्ते में भीड़-भाड़ होने के कारण मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

(ख) रास्ते में भीड़-भाड़ थी इसलिए मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

(ग) चूँकि रास्ते में भीड़-भाड़ थी इसलिए मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

(घ) क्योंकि रास्ते में भीड़ थी इसलिए मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

प्र07 नीचे लिखे प्रश्नों के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×4=4

(i) **निम्नलिखित वाक्य में कर्तृवाच्य के परिवर्तित रूप का सही विकल्प छाँटिए-**

महर्षि दयानन्द द्वारा आर्यसमाज की स्थापना की गयी।

(क) आर्यसमाज की स्थापना महर्षि दयानन्द से हुई।

(ख) आर्यसमाज की स्थापना महर्षि दयानन्द द्वारा की गयी।

(ग) महर्षि दयानन्द ने आर्यसमाज की स्थापना की।

(घ) महर्षि दयानन्द के द्वारा आर्यसमाज की स्थापना हुई।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए-

(क) मैं कविता पढ़ सकता हूँ।

(ख) मीरा द्वारा कल पत्र लिखा जाएगा।

(ग) बच्चों से शांत नहीं रहा जा सकता।

(घ) मुझसे उठा नहीं जाता।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए।

(क) लड़कों के द्वारा खूब पढ़ा गया।

(ख) मालती ने खाना खाया।

(ग) महेश पतंग उड़ा रहा है।

(घ) लड़की से सोया नहीं गया।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए-

(क) रीमा चित्र बनाती है।

(ख) सुमित द्वारा कविता पढ़ी गई।

(ग) कलाकार मूर्ति बनाता है।

(घ) मुझसे पढ़ा नहीं जाता।

प्र08 **(i) किस अलंकार में एक ही शब्द अनेक बार आता है किन्तु भिन्न-भिन्न अर्थ देता है-**

1×4=4

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) यमक

(ii) 'आए महंत वसंत' में अलंकार है-

(क) उत्प्रेक्षा

(ख) रूपक

(ग) यमक

(घ) श्लेष

(iii) उत्प्रेक्षा अलंकार छाँटिए-

(क) ज़रा-से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो

(ख) तरनि तनूजा तट तमला तरूवर बहु छाए

(ग) सुरभित सुंदर सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं

(घ) रती-रती सोभा सब रती के शरीर की

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सी काव्य-पंक्ति में मानवीकरण अलंकार नहीं है-

(क) चारू चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं जल-थल में

(ख) यह देखिए अरविंद-से शिशुबृंद कैसे सो रहे

(ग) उषा सुनहले तीर बरसती जयलक्ष्मी-सी उदित हुई मधु मुकुल नवल रस गागरी

(घ) निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है।

प्र09 नीचे दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द के पद-परिचय के स्पष्टीकरण हेतु दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। -

(i) <u>प्रेमचन्द</u> ने गोदान की रचना की। 1

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(ii) 'मैंने उस बच्चे को देखा, जो पतंग उड़ा रहा था'- यह वाक्य निम्न में से किस प्रकार का है- 1

(क) मिश्र वाक्य

(ख) साधारण वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) सरल वाक्य

(iii) जिस वाक्य में कर्ता के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है, उसे कहते हैं- 1

(क) कर्मवाच्य

(ख) साधारणवाच्य

(ग) भाववाच्य

(घ) कर्तृवाच्य

(iv) निम्न पंक्ति में उपमेय ढूँढिए- ''मेघमय आसमान से उतर रही संध्या-सुंदरी परी-सी'' 1

(क) संध्या सुंदरी

(ख) मेघमय आसमान

(ग) संध्या

(घ) परी

खण्ड - 'ग'

प्र010 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए- 1×5=5

''एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है; किन्तु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से

वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण के सिद्धान्त का अविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरूत्वाकर्षण से तो परिचित है ही; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिसने शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सके पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।''

(i) **'संस्कृति' में इस प्रत्यय जोड़कर नया शब्द इनमें से कौन-सा बनता है-**

(क) सांस्कृतिक

(ख) संस्कृतिक

(ग) सांस्कृतीक

(घ) संस्कृतीक

(ii) **वास्तविकता में संस्कृत मानव वो है-**

(क) जो संस्कृत बोलता है

(ख) जो सभ्य होता है

(ग) जो किसी नवीन वस्तु की खोज करता है

(घ) जो अपने पूर्वजों का आदर करता है

(ii) **जिस व्यक्ति को अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त हो जाए वो व्यक्ति क्या कहलाता है-**

(क) संभ्रात व्यक्ति

(ख) सभ्य व्यक्ति

(ग) संस्कृत व्यक्ति

(घ) विद्वान

(ii) **गुरूत्वाकर्षण के सिद्धान्त की खोज इनमें से किसने की-**

(क) ग्राहम बैल ने

(ख) आइंस्टाइन ने

(ग) जगदीश चंद्र बोस ने

(iv) **भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन जितना संस्कृत क्यों नहीं हो सकता-**

(क) न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण के सिद्धान्त का आविष्कार किया

(ख) भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी ने उसे आगे बढ़ाया

(ग) आविष्कार करने वाला ही संस्कृत व्यक्ति कहलाता है

(घ) सभी कथन सत्य हैं।

प्र011 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। $2\times5=10$

(i) फादर बुल्के को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग किस आधार पर कहा गया है?

(ii) मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का और किस रूप में प्रभाव पड़ा?

(iii) 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं'– कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है?

(iv) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

(v) 'संस्कृति' पाठ में लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' का सही समझ अब तक क्यो क्यों नहीं बन पाई?

प्र012 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

''कितना प्रामाणिक था उसका दुःख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वह अंतिम पूँजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की।''

(क) उपर्युक्त काव्यांश में किस के दुख को प्रामाणिक बताया गया है? 1

(ख) लड़की के कन्यादान के अवसर पर माँ को क्या अनुभूति हो रही थी? 1

(ग) माँ को अपनी बेटी ''अन्तिम पूँजी'' क्यों लग रही थी? 1

(घ) '' लड़की अभी सयानी नहीं थी'' से क्या स्थिति प्रकट होती है? 1

(ङ) माँ की चिन्ता का मुख्य कारण क्या था? 1

अथवा

''फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपान्तर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोज है हवा की थिरकन का।''

(क) फसल को किसका जादू बताया गया है और क्यों? 1

(ख) 'हाथो' के स्पर्श की महिमा' का आशय स्प्ष्ट कीजिए। 2

(ग) 'रूपान्तर' है सूरज की किरणों का'– इस आधार पर बताइए कि सूरज की किरणें किसमें रूपांतरित हुई हैं और कैसे? 2

प्र013 (क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं? 2

(ख) 'छाया मत छूना मन' पंक्ति में 'छाया' से कवि का क्या तात्पर्य है? 1

(ग) संगतकार क्या काम करता है? उसकी क्या भूमिका है? 2

प्र014 संक्षेप में उत्तर लिखिए। 5

'हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंत: व बाह्य दबाव का परिणाम है'– यह आप कैसे कह सकते हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जितने नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति के बारे में, कहाँ की भौगोलिक एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दी हैं– स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - 'घ'

प्र016 किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 5

(क) **भारत का किसान का जीवन**

विचार-बिंदु :- भारत का किसान सरल - सादा, कृषक संस्कृति, परिश्रमी जीवन, हृष्ट-पुष्ट परन्तु गरीब और शोषित, किसान की दुर्दशा, किसानों की दशा में सुधार।

(ख) **मोबाइल फोन : कितना सुखद?**

विचार-बिंदु :- मोबाइल फोन – एक सुविधा या संपत्ति, संपर्क का सस्ता और सुलभ साधन, विपत्तियाँ-अनचाहा खलल डालने का साधन, अपराधियों के लिए वरदान, निष्कर्ष।

(ग) **विपत्ति कसौटी जो कसे सोई साँचे मीत**

विचार-बिन्दु :- जीवन की सरसता के लिए मित्र की आवश्यकता, जीवन-संग्राम में मित्र महत्त्वपूर्ण, सच्चे मित्र की परख और चुनाव, सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य की बात।

प्र016 आप विनय/वीना, नेहरू छात्रावास, दिल्ली पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली में रह रहे हैं। कुछ कारणों से आप अपने मित्र/सखी के जन्मदिवस समारोह में सम्मिलित नहीं हो पाएँगे। इस संबंध में अपने मित्र/सखी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

वन विभाग द्वारा लगाए गए वृक्ष सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध दैनिक पत्र के संपादक को आनंद कुंज निवासी निवेदिता/अनिमेष की ओर से पत्र लिखिए।

उत्तरमाला

प्र01 (i) ग

(ii) ख

(iii) क

	(iv)	क
	(v)	घ
प्र02	(i)	घ
	(ii)	ख
	(iii)	घ
	(iv)	ख
	(v)	ग
प्र03	(i)	ग
	(ii)	घ
	(iii)	ख
	(iv)	ग
	(v)	घ
प्र04	(i)	ख
	(ii)	ग
	(iii)	क
	(iv)	घ
	(v)	ख

खण्ड – 'ख'

प्र05	(i)	ख
	(ii)	घ
	(iii)	ख
	(iv)	क
प्र06	(i)	क
	(ii)	ग
	(iii)	ख
	(iv)	ख
प्र07	(i)	ग
	(ii)	क
	(iii)	घ
	(iv)	ख
प्र08	(i)	घ
	(ii)	ख
	(iii)	क
	(iv)	घ

प्र09 (i) ग

(ii) क

(iii) घ

(iv) क

खण्ड - 'ग'

प्र010 (i) ग

(ii) ख

(iii) ख

(iv) घ

(v) क

प्र011 इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे।

प्र012 इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे।

प्र013 –वही–

प्र014 ''

प्र015 ''

प्र016 ''

(क) फसल को किसका जादू बताया गया है और क्यों? 1

(ख) 'हाथो' के स्पर्श की महिमा' का आशय स्प्ष्ट कीजिए। 2

(ग) 'रूपान्तर' है सूरज की किरणों का'– इस आधार पर बताइए कि सूरज की किरणें किसमें रूपांतरित हुई हैं और कैसे? 2